Dainik Jagran-New Delhi-12-02-2011

'...इसीलिए पप्पू हर साल फेल होता है'

एसआरसीसी में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में काव्य पाठ करते डॉ.लक्ष्मी शंकर वाजपेयी।

नई दिल्ली, जागरण संवाददाता : दैनिक जागरण की मीडिया पार्टनरशिप में डीयू के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के हिंदी साहित्य सभा की ओर से शुक्रवार को कॉलेज सभागार में आयोजित कवि सम्मेलन में महेंद्र शर्मा,गजेंद्र सोलंकी, प्रभाकिरण जैन, शंभु शिखर, चिराग जैन, वेद प्रकाश 'वेद' और चरणजीत चरण ने बहुरंगी कविताओं से समा बांध दिया। कार्यक्रम के आखिर में 'स्पंदन' के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया।

युवा कवि शंभु शिखर ने 'रख ले प्यारे तू एक लाख दुख, दवा एक बार हंसना... में जीवन का दर्शन बताया। अपने चुटीले अंदाज में वरिष्ठ कवि महेंद्र शर्मा के '...इसीलिए पप्पू हर साल फेल होता है' पर खूब तालियां बजीं। 'प्यार की बयार में ये दिल झूम नाचता है,जब दिल में उतरती है इक लड़की...' से फिजां को प्रेम की खुशबू से महकाया संचालक चिराग जैन ने। हिंदी साहित्य सभा के परामर्शदाता डॉ.रवि शर्मा ने भी काव्य पाठ किया। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित कवि लक्ष्मी शंकर वाजपेयी की पंक्तियों 'गीतों-गजलों की ले के कुछ पूंजी, थोड़े इनसान कमाने निकला' पर श्रोताओं की भरपूर दाद मिली। दो घंटे चली इस काव्यांजलि के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में हिंदी अकादमी के सचिव डॉ.रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, बैंक ऑफ बड़ौदा के उप महाप्रबंधक गोपाल खन्ना और समाज सेवी रोशन लाल गोरखपुरिया ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। सभा की अध्यक्ष चैतन्या खंडेलवाल, सचिव नीतिश गोनका और उपाध्यक्ष अभिनव गोयनल ने आयोजन में सहयोग देने के लिए प्रायोजकों के साथ पूरी टीम को धन्यवाद दिया।